आरती श्री अरिहन्त प्रभु जी की

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

भक्त जनों के संकट नित प्रति दूर करो।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

जो ध्याये सुख पावै दुःख मिटै मन का।
सुख संपति घर आवै, कष्ट मिटै तन का।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

रक्षक तुम प्रभु मेरे, शरण गहूं किसकी।
तुम बिन और न दूजा, आस करूँ जिसकी।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

तुम पूरन परमात्मा, तुम अन्तर्यामी, प्रभु तुम अन्तर्यामी।
पार ब्रह्म परमेश्वर तुम गुण सुखदानी।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

तुम करुणा के सागर तुम ही हो ज्ञानी, प्रभु तुम ही सब ज्ञानी।
मैं मूरख लघु ज्ञाता, प्रभु कृपा करो दानी।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

तुम हो दृष्टिअगोचर, सबके सुखदाता प्रभु सबके सुखदाता।
किस विधि मिलूं दयालू, प्रभूजी तुमसे है नाता।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

दीन बन्धु हितकारी, तुम हो प्रभु मेरो, प्रभुजी तुम हो प्रभु मेरो।
अपना हाथ बढ़ाओ, भक्तजन पास खड़े तेरे।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....

क्रोध मान छल दूर करो सब पाप घटे देवा, प्रभुजी सब पाप घटे देवा।
श्रद्धा भक्ति बढ़े मम, प्रतिदिन पाऊँ सेवा।।

ॐ जय अरिहन्त प्रभो....